महापौर के वार्ड-70 की बस्तियों में भी पानी जहरीला

- पेयजल की जांच में मलमूत्र और जानलेवा बैक्टीरिया
- आईएमसी एप-311, सीएम हेल्पलाइन-181 पर शिकायत
- प्रशासन की जनसुनवाई पर भी कान नहीं दे रहे अफसर

इंदौर. देश के सबसे स्वच्छ शहर का पानी कई बस्तियों में पीने लायक नहीं है. भागीरथपुरा में हुए दूषित पेयजल कांड के बाद नागरिक स्वयं के खर्च से पानी की गुणवत्ता की जांच करा रहे हैं. जांच में खुलासा हुआ है कि महापौर के वार्ड-70 की बस्तियों में भी पानी जहरीला है. यहां के पेयजल के नमूनों की लैब में कराई जांच में जानलेवा बैक्टीरिया बहुतायत में मिले हैं.

'नवभारत' ने 3 जनवरी के अंक में 'महापौर के पुराने वार्ड में भी भागीरथपुरा की दहशत' शीर्षक से खबर प्रकाशित कर मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। दूषित पेयजल की शिकायत नगर निगम के ऐप-311, सीएम हेल्पलाइन-181 और प्रशासन की जनसुनवाई पर भी की गई है, मगर अभी तक प्रशासन और निगम की नींद नहीं टूटी है. प्रभावित लोगों का कहना है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो माननीय न्यायालय की शरण ली जाएगी. इसे दुर्भाग्य ही कह सकते हैं कि कोई पानी पीने से ही मर जाए. भागीरथपुरा ने यह व्यथा झेली है और इस तरह के आसार वार्ड 70 की बस्तियों में भी नजर आ रहे हैं. 'नवभारत' ने अपने पिछले अंक में यहां के रहवासियों की पानी संबंधी पीड़ा उजागर की थी. लोगों ने बताया था कि उनके यहां मटमैला और बदबूदार पानी आ रहा है. नगर निगम ने भागीरथपुरा में हुए दूषित पेयजल कांड के बाद भी यहां के नागरिकों की सुध नहीं ली. नागरिक स्वयं के खर्च से पानी की गुणवत्ता की जांच करा रहे हैं. वार्ड-70 की कालोनी जय जलाराम नगर के रहवासी मनोज प्रजापत ने अपने यहां निगम से जलप्रदाय होने वाले पीने के पानी के नमूनों की जांच स्नेह नगर स्थित एक्यूसी लैब्स प्राइवेट लिमिटेड पर कराई है. इस जांच ने रहवासियों की नींद उड़ा दी है, मगर निगम की नींद नहीं टूट रही है. इस पीने के पानी में मलमूत्र पाया गया है. 100 एमएल पानी में जानलेवा कॉलीफॉर्म बैक्टीरिया की उपस्थिति 1600 बताई गई है, जबकि पीने के पानी में ये बैक्टीरया होना ही नहीं चाहिए. जांच में टर्बिडिटीयाने गंदगी अधिकतम 1.0 हो सकती है, मगर यहां के पानी में यह 6.5 पाई गई है. इन खतरनाक जीवाणुओं के संपर्क में आने वाले व्यक्ति का पेट खराब हो सकता है. उसे उल्टी, बुखार या दस्त भी हो सकते हैं. एक तरह से यह धीमा जहर है, जो किडनी और लीवर को भी नुकसान पहुंचाता है.

निजी खर्च पर पानी की जांच करवाई

वार्ड-70 की कालोनी जय जलाराम नगर के रहवासी मनोज प्रजापति का कहना है कि उन्होंने नगर निगम को गंदे पानी की कई बार शिकायत की है, मगर कोई सुनता ही नहीं. वार्ड पार्षद भारत रघुवंशी को इस समस्या से अवगत कराया था, मगर नतीजा सिफर ही रहा। नगर निगम के अभियंता को दूषित पानी के बारे में बताया तो उन्होंने कहा-इस पर काम हो रहा है. कल से ही साफ पानी आने लगेगा. लेकिन उनका कल, आज तक नहीं आया है. मनोज ने दूषित पेयजल की शिकायत सीएम हेल्पलाइन नंबर-181 पर की है. इंदौर नगर निगम के एप-311 पर भी उनकी शिकायत दर्ज है पर इस मर्ज का कोई इलाज नहीं हो रहा है. अपने निजी खर्च पर उन्होंने एक्यूसी लैब्स पर 2360 रुपए में जांच कराई है, जिसमें पानी की गुणवत्ता को लेकर चिंताजनक बात कही गई है. यह पानी पीने के लायक तो कतई नहीं है. इसका लगातार सेवन करने से भागीरथपुरा की पुनरावृत्ति हो सकती है. गौरतलब है कि यह वार्ड महापौर पुष्यमित्र भार्गव का निवास क्षेत्र रहा है. यहां वार्ड क्र. 2 में स्थित चंदन नगर पेयजल टंकी और वार्ड क्र.70 में स्थित राजमोहल्ला पेयजल टंकी से जलप्रदाय होता है.

निगमायुक्त ने किया जलूद स्थित नर्मदा योजना का निरीक्षण

- फिल्टर एवं क्लोरिनेशन प्रयोगशाला का किया अवलोकन
- बीपी टैंक लीकेज सुधार कार्य को जल्दी सुधारने के निर्देश

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम आयुक्त ने आज नर्मदा योजना के जलूद पंपिंग स्टेशन और इंटेक वेल का निरीक्षण किया. इस दौरान आयुक्त ने पंपिंग स्टेशन पर वॉटर फिल्टर और क्लोरिनेशन लेबोरेट्री का भी दौरा किया. साथ ही बीपी टैंक लीकेज सुधार कार्य जल्दी पूरा करने के निर्देश दिए.

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा जलूद एवं ग्राम भकलाय क्षेत्र में स्थित नर्मदा जल प्रदाय परियोजना के पंपिंग स्टेशन एवं इंटेक वेल का अवलोकन किया गया. आयुक्त ने जलूद एवं ग्राम भकलाय क्षेत्र में स्थित नर्मदा फेस-1, फेस-2, फेस-3 एवं फेस-4 अंतर्गत पंपिंग स्टेशन, इंटेक वेल, स्काडा सिस्टम, पंप हाउस एवं पाइप लाइन का गहन निरीक्षण किया. उन्होंने अधिकारियों से यह जानकारी ली कि किस तरह से नर्मदा नदी का पानी पंप कर इंदौर शहर तक लाया जाता है. नगर निगम आयुक्त सिंघल द्वारा जल शोधन संयंत्र प्रयोगशाला का भी अवलोकन किया गया. आयुक्त अपने सामने जल गुणवत्ता परीक्षण कराए. आयुक्त ने जलूद एवं भकलाय में स्थित फिल्टर प्लांट एवं पंपिंग स्टेशन के बी.पी. टैंक में लीकेज कार्य को जल्दी पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए. ताकि जलापूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे.

सप्लाय व्यवस्था का नियमित निरीक्षण करें

आयुक्त सिंघल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नर्मदा जल प्रदाय योजना में सभी तरह की सप्लाई व्यवस्था का नियमित निरीक्षण एवं रखरखाव किया जाए. पानी की समस्या का त्वरित निराकरण करके शहरवासियों को निरंतर स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जा सके. निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त आशीष कुमार पाठक, कार्यपालन यंत्री जी.एस.पटेल, प्रताप बुंदेला सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

40 मरीज पहुंचे, डायरिया के 2 मामले

- 14 विभिन्न अस्पतालों में भर्ती, 9 सामान्य वार्डों में 6 आईसीयू में

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा क्षेत्र में स्वास्थ्य हालात अब नियंत्रण में नजर आ रहे हैं. शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी में 40 मरीज पहुंचे, जिनमें से डायरिया के केवल 2 मरीज सामने आए. इनमें से किसी भी मरीज की स्थिति गंभीर नहीं पाई गई. फिलहाल 15 मरीज अस्पतालों में इलाजरत हैं. इनमें 9 मरीज सामान्य वार्ड में भर्ती हैं, जबकि 6 मरीज आईसीयू में उपचार ले रहे हैं. वहीं वेंटिलेटर पर किसी नए मरीज को नहीं रखा है.

सीएमएचओ डॉक्टर माधव हसानी ने बताया कि प्रशासनिक स्तर पर लगातार निगरानी की जा रही है. कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर क्षेत्र में दो एम्बुलेंस 24 घंटे तैनात की गई हैं. इसके साथ ही डॉक्टरों की राउंड-द-क्लॉक ड्यूटी लगाई गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके. जरूरत पड़ने पर मरीजों को एमवाय अस्पताल, अरविंदो अस्पताल और बच्चों को चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय रेफर किया जा रहा है.

इसके अलावा जो मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराना चाहते हैं, वहां भी निशुल्क उपचार, जांच और दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित की है. वहीं क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है और साफ सफाई, पेयजल तथा स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. पिछले 24 घंटों में डायरिया के मामलों में कमी आई है, जो स्थिति के सामान्य होने की ओर इशारा करती है.

विद्याधाम का प्रकाशोत्सव आज से

इंदौर. विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर मंदिर का 31 वां प्रकाशोत्सव गुप्त नवरात्रि पर 19 से 27 जनवरी तक आयोजित होगा. आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी गिरिजानंद सरस्वती भगवन की प्रेरणा से महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में 9 दिवसीय इस महोत्सव में अनेक कार्यक्रम होंगे. आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेंद्र महाजन ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 19 जनवरी को सुबह 9.30 बजे संग्रहमख ललिताम्बा महायज्ञ अनुष्ठान के साथ होगा.

एक नजर में

डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय की जयंती पर साहित्यिक आयोजन

इंदौर. सरोकार साझा मंच द्वारा प्रख्यात साहित्यकार एवं विचारक स्व. डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय की 101वीं जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में समिधा शुक्ला एवं शुभांग शुक्ला अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. संयोजक महिमा शुक्ला ने 'मेरी नज़र में मेरे पिता' और 'पिता के नाम पत्र' विषय पर प्रस्तुतियाँ आमंत्रित कीं. सुषमा चौरे, संगीता चौहान, करुणा प्रजापति, डॉ. अर्चना त्रिवेदी, निरुपमा त्रिवेदी, डॉ. विद्या पाराशर, मृदुला शर्मा, कृष्णा जोशी, डॉ. वंदना मिश्रा सहित अनेक रचनाकारों ने कविताओं व संस्मरणों के माध्यम से पिता के स्नेह, त्याग और जीवन में उनकी भूमिका को भावुकता से प्रस्तुत किया. इस अवसर पर स्व. डॉ. उपाध्याय के पोस्टर का अनावरण उनके नाती शुभांग शुक्ला ने किया तथा उनके कृतित्व का वाचन नातिन समिधा शुक्ला ने किया. महिमा शुक्ला ने अपने पिता की साहित्यिक एवं अकादमिक यात्रा पर प्रकाश डाला. महिमा शुक्ला ने आभार माना.

विद्यासागर सोशल ग्रुप ने दृष्टिबाधितों को स्वल्पाहार कराया

इंदौर. दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विद्यासागर इंदौर ने समाज के पितृ पुरुष, समाज रत्न स्वर्गीय प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल की 78 वीं जन्म जयंती के अंतर्गत सेवा सप्ताह में आज किला मैदान स्थित दृष्टिहीन कल्याण संघ पर दृष्टिबाधितों को स्वल्पाहार करवाया और फलों का वितरण भी किया. विद्यासागर सोशल ग्रुप के अध्यक्ष सतीश जैन एवं सचिव संतोष जैन ने बताया कि आज कल्याण संघ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी संदीप परदेसी से पूछ कर दृष्टिबाधितों की अन्य जरूरी मेडिकल उपकरणों के विषय में पूछा व भविष्य में हर संभव मदद करने का वादा भी किया. इस अवसर पर स्व. कासलीवाल के चित्र पर सतीश- सरिता जैन, संतोष जैन, अरविंद दिवाकर, डॉक्टर राहुल जैन- अभिलाषा जैन, एडवोकेट पवन-अभिलाषा जैन, नवीन जैन (पीहर साड़ी), सुरेश जैन, मयंक जैन, अंकित-पूजा जैन आदि ने माल्यार्पण किया. वही प्रांगण स्थित ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया.

शक्ति अर्जन का स्वर्णिम अवसर गुप्त नवरात्रि आज से

इंदौर. गुप्त नवरात्रि में गुप्त रूप से मां भगवती की पूजा पाठ आराधना करने से समस्त सिद्धियों की प्राप्ति होती है. मैहर के ज्योतिषाचार्य पं. मोहनलाल द्विवेदी ने बताया कि महावीर पंचांग अनुसार माघी गुप्त नवरात्रि माघ मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 18 जनवरी रविवार की मध्यरात्रि 01.08 से शुरू होगी जो सोमवार की मध्यरात्रि 01.59 बजे तक रहेगी. इसलिए उदयातिथि के मान अनुसार 19 से 27 जनवरी मंगलवार तक पूरे नौ दिनों की होगी. इस पक्ष में चतुर्दशी तिथि का क्षय हो जाने से यह 14 दिनों का है. हिन्दू धर्म में नवरात्रि मां दुर्गा की साधना के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं. नवरात्रि के दौरान साधक विभिन्न तंत्र विद्याएं सीखने के लिए मां भगवती की विशेष पूजा करते हैं. तंत्र साधना आदि के लिए गुप्त नवरात्रि बहुत विशेष माने जाते हैं. आषाढ़ और माघ मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली नवरात्रि को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है. इस नवरात्रि के बारे में बहुत ही कम लोगों को जानकारी होती है. मान्यतानुसार गुप्त नवरात्रि के दौरान अन्य नवरात्रों की तरह ही पूजा करनी चाहिए. नौ दिनों के उपवास का संकल्प लेते हुए प्रतिप्रदा यानि पहले दिन घटस्थापना करनी चाहिए. घटस्थापना के बाद प्रतिदिन सुबह और शाम के समय मां दुर्गा की पूजा करनी चाहिए. अष्टमी या नवमी के दिन कन्या पूजन के साथ नवरात्रि व्रत का उद्यापन करना चाहिए. देवी भागवत के अनुसार जिस तरह वर्ष में चार बार नवरात्रि आते हैं और जिस प्रकार नवरात्रि में देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है, ठीक उसी प्रकार गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की साधना की जाती है.

ब्रह्माबाबा का जीवन त्याग और सादगी का संगम था : हेमलता दीदी

- ब्रह्माबाबा की 57वीं पुण्य स्मृति दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

इंदौर. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्माबाबा की 57वीं पुण्य स्मृति दिवस पर न्यू पलासिया स्थित ज्ञानशिखर में माउंट आबू में बनी ब्रह्माबाबा की समाधि 'शांति स्तंभ' की प्रतिकृति, बाबा की कुटिया, ब्रह्माबाबा की जीवन कहानी को दर्शाती चित्र प्रदर्शनी तथा मेडिटेशन रूम को एक क्विंटल फूलों से सजाया गया. इस अवसर पर हजारों ब्रह्माकुमार कुमारियों ने मौन रहकर ब्रह्माबाबा को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए.

इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने ब्रह्माबाबा के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिताश्री ब्रह्माबाबा दादा लेखराज के रूप में जाने-माने हीरे जवाहरात के व्यापारी थे. उनका जीवन राजसी ठाठ-बाठ, धन-धान्य, पारिवारिक सुख से संपन्न था. लेकिन परमात्मा शिव की प्रवेशता के पश्चात उन्होंने अपना तन, मन, धन, जन, सुख सुविधा सब ईश्वरीय सेवा अर्थ समर्पण कर दिया तथा त्याग, तपस्या और सादगी को अपने जीवन का मूलमंत्र बना लिया. उन्होंने सदियों से अबला, भोग्या समझी जाने वाली नारी को सशक्त कर उनके दैवी स्वरूप को जागृत किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मीडिया, प्रशासन, व्यापार, उद्योग, चिकित्सा तथा शिक्षा जगत के कई प्रबुद्धजनों ने संगठित रूप से योग तपस्या कर विश्व में शांति, प्रेम तथा सद्भाव के प्रकंपन फैलाए.

मौन साधना की, शांति मार्च निकाला

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी इश्वरिय विश्वविद्यालय के संस्थापक ब्रह्मा बाबा की 57 वी पुण्य स्मृति दिवस विश्व शांति दिवस के रूप में ओम शांति भवन में मनाया गया. प्रात: साधकों ने मौन साधना की. इसके बाद शांति मार्च ओम शांतिभवन से निकाला गया. इंदौर ज़ोन इंचार्ज राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आरती दीदी ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते कहा कि ब्रह्मा बाबा एक संपूर्णता की मूर्ति थे जिनके सानिध्य में जाने से परम शांति का अनुभव होता था. जस्टिस बीडी राठी ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा का जीवन एक खुली किताब के समान था जिन्होंने हमेशा विश्व को शांति का संदेश देने का कार्य किया. जिला जज विनोद शर्मा, समाजसेवी सुरेश गुप्ता, समाजसेवी सागरमल भाई, रेवती बहन ने भी ब्रह्मा के दिव्य आभामंडल के बारे में बताया.

कुष्ठ रोगियों के आश्रम में खाद्य सामग्री वितरित

इंदौर. लायंस सिटी क्लब के सदस्य दिनेश कुमार- कृष्णप्रभा रणधर की पारिवारिक मित्र प्रभा मानसिंगा व सुश्री गीतिका-अक्षय केडिया, विभारानी- दीपक कचोलिया के सहयोग से कुष्ठ रोगियों के आश्रम (पितृ पर्वत के सामने) सेवा गतिविधि संक्रांति के पावन पर्व पर की गई. आश्रम के रहवासियों को खाद्य सामग्री वितरित की गई. क्लब के सदस्य पीडीजी लायन एसपी नामदेव रिंकी जय सिंघानी चुग,दीपक-दीपिका अग्रवाल परिवार ने इस सेवा कार्य में उपस्थित रहकर अपनी सहभागिता की.

हंसदास मठ पर आज से लक्ष्मीनारायण महायज्ञ

इंदौर. एयरपोर्ट रोड पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ के दसवें लोकार्पण दिवस के उपलक्ष्य में 19 से 23 जनवरी तक श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का दिव्य अनुष्ठान हंस पीठाधीश्वर स्वामी रामचरणदास महाराज एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज के सान्निध्य में होगा. मठस्थित भगवान रणछोड़जी एवं चिंतारहण पंचमुखी हनुमानजी को समर्पित यह अनुष्ठान प्रतिदिन सुबह 8.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक यज्ञाचार्य पं. विवेक कृष्ण शास्त्री के निर्देशन में विद्वान आचार्यों द्वारा संपन्न कराया जाएगा. बसंत पंचमी 23 जनवरी को सुबह 9 बजे से ब्राहमण बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार भी होगा.

मठ के पं. अमितदास महाराज ने बताया कि इस उपलक्ष्य में मठ को पुष्पों एवं विद्युत सज्जा से श्रृंगारित किया गया है. 19 जनवरी को सुबह 8.30 बजे मठ स्थित यज्ञशाला में लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का शुभारम्भ होगा. यज्ञ के यजमान समूह में वर्षा शर्मा, अनंत महंत एवं विनोद कुमार जोशी मनोनीत किए गए हैं. बसंत पंचमी पर यहाँ सुबह 9 बजे से विश्व ब्राह्मण समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. योगेन्द्र महंत के आतिथ्य में ब्राहमण बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार भी होगा.

महिलाओं ने संक्रांति कार्यक्रम में खेले गेम्स, पतंगबाजी की

- इरा कायस्थ सोशल ग्रुप का कार्यक्रम

इंदौर. इरा कायस्थ सोशल ग्रुप की महिलाओं ने हल्दी कुमकुम और संक्रांति का कार्यक्रम आयोजित किया. ग्रुप की अध्यक्ष वीना सक्सेना ने बताया कि इस अवसर पर सभी महिलाओ ने एक आउटिंग मीटिंग का आयोजन किया और उसमें तरह-तरह के गेम्स खेल कर पतंग बाजी की और त्योहार को मनाया. कार्यक्रम की संयोजिका थी रागनी चक्रधर, संध्या सक्सेना, शोभना श्रीवास्तव, और रेखा श्रीवास्तव. विजेता रहीं सत्या श्रीवास्तव, संगीता श्रीवास्तव, नीलम श्रीवास्तव, किरण भटनागर, वंदना श्रीवास्तव, कामना श्रीवास्तव, प्रतिभा श्रीवास्तव रंजना भटनागर, उषा श्रीवास्तव.

एक नजर में

समसामयिक अध्ययन केंद्र में वेनेजुएला के राष्ट्रपति पर अमेरिकी कार्रवाई पर मंथन

अंतरराष्ट्रीय कानून में प्रत्येक राष्ट्र की अपनी सम्प्रभुता

इंदौर. संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद दो (सात) के अनुसार कोई भी राष्ट्र दूसरे राष्ट्र के आंतरिक राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकता. अन्तर्राष्ट्रीय कानून में प्रत्येक राष्ट्र की अपनी सम्प्रभुता है. यह कार्यवाही इस सम्प्रभुता के विरुद्ध है. किसी भी राष्ट्र प्रमुख पर दूसरा राष्ट्र इस प्रकार की कार्रवाई नहीं कर सकता. साथ ही विदेशी अदालतें किसी अन्य राष्ट्र के प्रमुख पर मुकदमा कायम नहीं कर सकती. इन पर प्रत्यर्पण संधि के विरुद्ध कार्रवाई की गई है. मगर इन दोनों देशों के बीच ऐसी कोई संधि नहीं हुई है. ड्रग्स का आरोप भी निराधार है. यह कार्रवाई गैरकानूनी होकर शक्ति प्रदर्शन है. अब ट्रम्प ने स्वयं को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित कर दिया है. इसके पीछे वेनेजुएला का तेल भंडार है.

यह बात अन्तर्राष्ट्रीय कानूनी विशेषज्ञ प्रो. प्रतिभा चौधरी ने कही. वे समसामयिक अध्ययन केंद्र में वेनेजुएला के राष्ट्रपति पर अमेरिकी कार्रवाई- राजनीतिक और कानूनी पहलू विषय पर आयोजित विचार मंथन में संबोधित कर रही थी. प्रो. चौधरी ने इस तरह के अन्य मामलों के उदाहरण देते हुए बताया कि मुंबई विस्फोट के मामले में अबू सलेम अपनी पत्नी मोनिका बेदी के साथ पुर्तगाल भाग गया था. तब प्रत्यर्पण संधि के अन्तर्गत अबू सलेम और मोनिका बेदी को भारत भेज दिया गया. निकारागुआ बनाम संयुक्त राज्य अमेरिका में अन्तरराष्ट्रीय न्यायालय ने यह स्पष्ट किया था कि किसी देश की सरकार को गिरने या दबाव बनाने की कोशिश अवैध हस्तक्षेप है. अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर यही किया गया है. कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ. पुष्पेन्द्र दुबे ने किया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह अरविंद जवलेकर ने दिए। कार्यक्रम का संचालन केंद्र की मंत्री डॉ. मीनाक्षी स्वामी ने किया. आभार समिति के प्रधानमंत्री अरविंद जवलेकर ने किया.

अमेरिका की पॉलिसी दुनिया के सामने

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति विशेषज्ञ प्रो. अश्विनी शर्मा ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में शक्ति का सिद्धांत काम करता है. हर राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने और कायम रखने के लिए प्रयत्नशील है. आज जिसके पास धन है, सूचना है वही शक्तिशाली है. येन केन प्रकारेण हर राष्ट्र शक्तिशाली बनने और दर्शाने के लिए क्रूर हो जाता है. वेनेजुएला में निर्वाचित सरकार के बावजूद राष्ट्रपति पर तानाशाही, ड्रग्स का आरोप लगाया गया. अमेरिका लोकतंत्र केवल अपने देश के लिए चाहता है. दूसरी ओर अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करते हुए वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठा लेता है. यह फासीवादी व्यवहार है. शक्ति का प्रदर्शन है. वेनेजुएला के तेल के भंडार भी इसका मुख्य कारण है. अमेरिका की पॉलिसी अब दुनिया के सामने खुलकर आ गई है.

नन्हें बच्चों ने दी रंग- बिरंगी प्रस्तुति

इन्दौर. संस्कार किड्ज स्कूल के एनुअल डे फंक्शन में नन्हें बच्चों एवम् उनके पैरेंट्स के द्वारा देश भक्ति गीतों, सामाजिक सरकारों, मातृ -पितृ एवम् गुरु वंदना से सराबोर नृत्यों की रंग-बिरंगी छटा प्रीतम लाल दुआ सभागृह में बिखेरी गई.

आरम्भ में सरस्वती वंदना के साथ दीप-प्रज्वलन मुख्य अतिथि एडवोकेट अशोक दशोरा एवं संरक्षक राकेश अग्रवाल के द्वारा किया गया. स्वागत भाषण श्रद्धा अग्रवाल एवं आभार प्रदर्शन रौनक अग्रवाल के द्वारा किया गया. अतिथि एडवोकेट अशोक दशोरा ने महर्षि मनु के द्वारा रचित 'मनु स्मृति' में वर्णित 16 संस्कारों का विवरण देते हुए नौवें उपनयन संस्कार (शिक्षा) का महत्त्व बतलाया. नन्हें बच्चों ने तकरीब 10 नृत्यों की प्रस्तुति पेश की. संचालन टीचर प्रेरणा सनोदिया, आरती यादव, अंकिता शर्मा एवम् माधुरी रामटेके ने किया. प्रोग्राम में त्रिशा-प्रिशा गुप्ता, ताशी राजपूत, राघवी नन्नोरे, वेदिका चौधरी और कहान श्रीवास्तव को पुरस्कृत किया गया.